मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

पाठ्यक्रम को सहज बनाती बेसिक की कविताएं

अगस्त 2024

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान।

संकलन कर्ता

काव्यांजलि टीम,
मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक

01 अगस्त, 2024

काव्यांजलि

2273

दिन

गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-6, विषय- हिन्दी(मंजरी)

कौन बनेगा निंगथउ (राजा)

(पाठ-15, भाग-04)

पलक झपकते ही खोंगनंग,
जड़ से उखाड़ा उसने आकर।
और शान से निंगथउ-लेइमा,
को देता है बरगद जाकर।।

थाउरो! थाउरो! की आवाजें,
आने लगी थी प्रजा की ओर।
कौन बनेगा तुंगी निंगथउ?
चारों तरफ ये मच गया शोर।।

कोई न कम है किसी है अब तो,
तीनों बराबर साहसी, वीर।
अब तो लोग बेचैन बड़े थे,
निंगथउ-लेइमा करो न देर।।

पाँच साल की बेटी नन्ही,
बोली सानातोम्बि बेचारी।
मर गया बेचारा खोंगनंग,
बरछी की है चोट जो मारी।।

रचना

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

दिनांक
02 अगस्त
2024

काव्यांजलि
2274

दिन
शुक्रवार

पाठ- 08

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)
भारत का भौतिक स्वरूप
थार का मरुस्थल

महामरुस्थल भारत का,
थार का मरुस्थल है।
पश्चिमी भाग में भारत के,
थार का मरुस्थल है।।

अरावली पर्वत से लेकर,
पाकिस्तान की सीमा तक।
शुष्क, गर्म रेतीला स्थल,
वनस्पति मिलती अत्यल्प।।

मुख्य नदी लूनी है यहाँ की,
साँभर खारे पानी की झील।
नमक का उत्पादन हो इसमें,
ऊँट जीतते सबका दिल।।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

दिनांक
03 अगस्त
2024

काव्यांजलि
2275

दिन
शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा भूमण्डल

कक्षा- 7 पाठ- 5, भाग- 1

वायुमण्डल के तत्व

वायुमण्डल के तत्व कितने,
आइये इसको हम जाने।
तापमान, पवन, वायुदाब, वर्षा,
आर्द्रता को हम पहचाने।।

उष्मा प्रधान स्रोत है सूर्य,
प्रकाश-ऊर्जा फैलाता सूर्य।
सौर विकिरण इसको कहते,
प्रकाश जो फैलता सूर्य।।

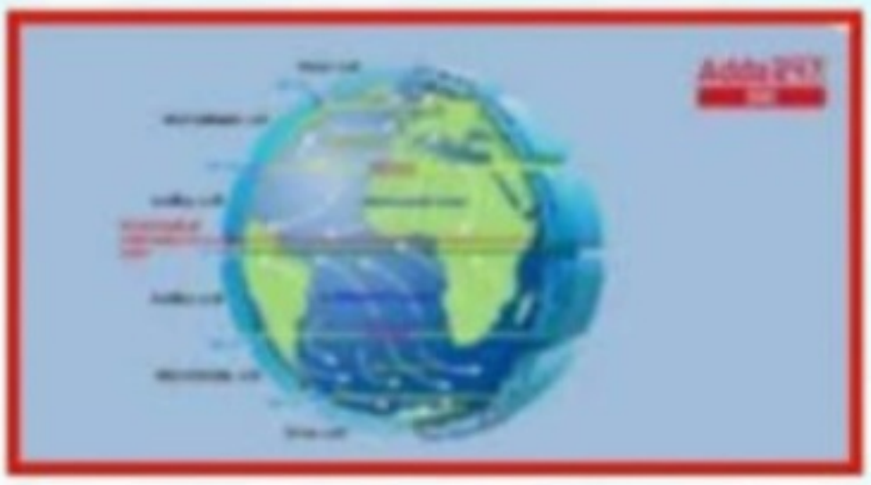

सौर विकिरण है सूर्यातप,
धरातल गर्म करता सूर्य।
सम्पर्क में जब आये वायु,
वो गर्म हो जाए तब।।

वायुमण्डल में स्थित वायु,
नीचे गर्म ऊपर होती ठण्डी।
गर्म-ठण्डी मात्रा है तापमान,
इस कारण वायु है गर्म-ठण्डी।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

दिनांक 05 अगस्त 2024

काव्यांजलि 2276

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- विज्ञान

इकाई- 6 जीव जगत

जन्तुओं का वर्गीकरण (भाग- 2)

जिन जन्तुओं के शरीर में,
मेरूदण्ड नहीं पाया जाता।
जैसे- कीड़े-मकोड़े, आदि को,
अकशेरूकी जन्तु कहा जाता।।

कशेरूकी जन्तुओं के शरीर में,
मेरूदण्ड है पाया जाता।
मानव, मछली, पक्षी, आदि,
उदाहरण इनके दर्शाता।।

अण्डे देने वाले सभी जन्तु,
अण्डयुज हैं कहलाते।
कीड़े-मकोड़े, मेढक, पक्षी,
मछली, आदि इसके अन्तर्गत आते।।

बच्चे देने वाले सभी जन्तु,
जानो जरायुज कहे जाते हैं।
मनुष्य, खरगोश, बकरी, बिल्ली,
गाय, आदि इस श्रेणी में रखे जाते हैं।।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

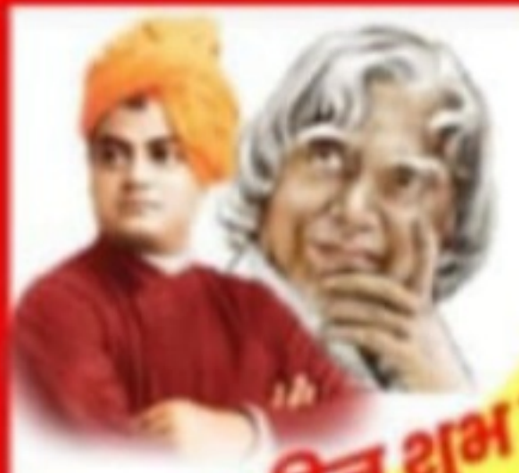

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
06 अगस्त
2024

काव्यांजलि
2277

दिन
मंगलवार

विषय- स्काउट/गाइड, कक्षा- 6,7,8 पाठ- 09

मार्ग के खोज चिह्न.....

हाइक, वाइड गेम आदि का,
दल में आयोजन होता है
आगे चलता अग्रणी दल,
पीछे सहयोगी होता है।।

अग्रणी दल जो होता,
सही स्थान का करता चयन।
चिन्ह साथ में पीछे छोड़ता,
सहयोगी को न हो भ्रम।।

स्काउट गाइड में यह चिन्ह,
खोज के चिन्ह कहलाते हैं।
पत्थर, कंकड़, घास, पेड़ से,
सारे निशान बनाएँ जाते हैं।।

उन्ही चिन्हों का अनुसरण कर,
अन्य साथी आगे बढ़ते जाते हैं।
सबसे पीछे आने वाले सदस्य,
चिन्हों को मिटाते जाते हैं।।

~रचना~

शहनाज़ बानो (स ०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी-1
क्षेत्र- मानिकपुर, जनपद - चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलायें

9458278429

बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

काव्यांजलि

2278

दिनांक
07 अगस्त
2024

दिन
बुधवार

वृहद हिमालय

कक्षा-06 विषय- भूगोल
(पृथ्वी और हमारा जीवन)
पाठ-08
भारत का स्वरूप

कहलाता है ये,
सर्वोच्च या हिमाद्रि।
अनेकों नदियाँ निकलती,
देखो यहाँ से भी।।

पश्चिम में नंगा पर्वत से,
पूर्व में नामचा बरवा तक फैला।
जम्मू नेपाल सिक्किम आदि,
हर जगह देखो बर्फीला।।

कंचनजंघा मकालू धौलागिरी,
आदि महत्वपूर्ण श्रेणियाँ।
एवरेस्ट जैसी इसमें है,
देखों अनेक ऊँची चोटियाँ।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 8 अगस्त 2024

काव्यांजलि

2279

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय-हमारा परिवेश (EVS)

पाठ 1, हमारा परिवार

जाने हम परिवार की महिमा,
रिश्ते और नातों की गरिमा।
सम्बल और ऊर्जा है परिवार,
सबकी हिम्मत होता परिवार।।

रहते जहाँ मम्मी-पापा और बच्चे,
एकल परिवार उसे हम कहते।
एक दूजे की फिकर सब करते,
एक दूजे के लिए खड़े हैं रहते।।

एकल परिवार

मम्मी-पापा के साथ ही साथ,
दादा-दादी का भी होता साथ।
चाचा-चाची सब साथ हैं रहते,
सयुंक्त परिवार उसे हम कहते।।

संयुक्त परिवार

सभ्यता और संस्कार का ज्ञान,
परिवार हमको देता पहचान।
सुख-दुख संग सहता परिवार,
पहली पाठशाला हमारा परिवार।

प्रस्तुत
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र० अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर करन, उन्नाव

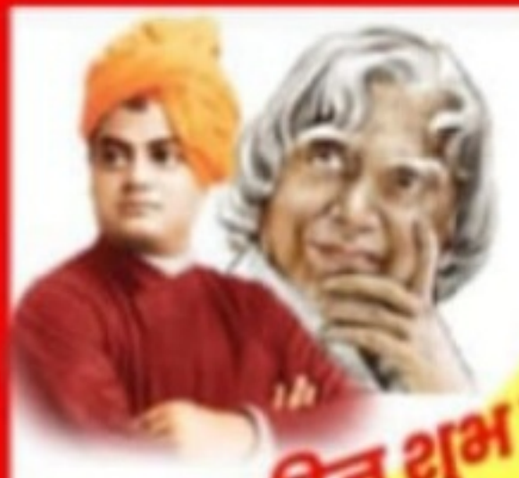

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
09अगस्त
2024

काव्यांजलि
2280

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- संस्कृत, कक्षा- 4, पाठ- 08

स्वतन्त्रता दिवसः

राष्ट्र दिवस में एक प्रमुख है,
दिन आजादी का।
पूरा हुआ आज ही के दिन,
स्वप्न आजादी का।।

प्रधानमन्त्री भारत देश के,
तिरंगा फहराते हैं।
साफ कपड़े पहन के सब,
विद्यालय जाते हैं।।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक,
ध्वज फहराते हैं।
सारे बच्चे मिल कर फिर,
राष्ट्रगान गाते हैं।।

विद्यालय में फिर सब बच्चे,
मिठाई खाते हैं।
हँसते-गाते फिर सब बच्चे,
घर को जाते हैं।।

~रचना~

श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर, क्षेत्र- धनीपुर
जनपद- अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
10 अगस्त, 2024

काव्यांजलि
2281

दिन
शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-6, विषय- हिन्दी(मंजरी)

कौन बनेगा निंगथउ (राजा)

(पाठ-15, भाग-05)

दुःखी बहुत होकर वह रोयी,
बेघर पक्षियों को निहारकर।
निंगथउ-लेइमा बोले अब तो,
बाँहों में बिटिया को लेकर।।

जान खोंगनंग में भी होती,
याद दिलाया बेटी हमको।
पशु, पक्षी, पेड़ों की पीड़ा,
महसूस होती है बस तुमको।।

अगली लेइमा तुम ही बनोगी,
काँगलइपाक की मेरे बाद।
राजा का यह धर्म है केवल,
प्रजा को रखे जो आबाद।।

गर्व से सबने देखा खुश हो,
पाँच साल की लेइमा प्यारी।
कन्धे पर बैठे पक्षी बैठाये,
नन्ही खोंगनंग सी लगे दुलारी।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

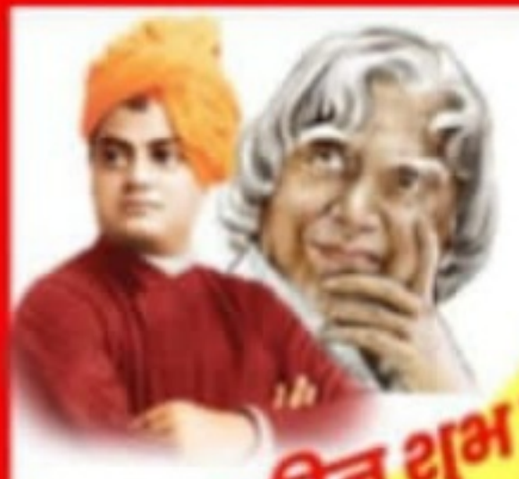

दिनांक
12 अगस्त
2024

काव्यांजलि
2282

दिन
सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

मध्य हिमालय

कक्षा-06 विषय- भूगोल
(पृथ्वी और हमारा जीवन)
पाठ-08
भारत का स्वरूप

निचला हिमालय या मध्य,
हिमालय कहा है जाता।
जम्मू हिमाचल उत्तराखंड,
नेपाल तक यह आता।।

जम्मू में पीरपंजाल तो,
हिमाचल में धौलाधार।
उत्तराखंड में मसूरी नागटिब्बा,
ऊँची श्रेणियों में इसका विस्तार।।

शिमला मसूरी रानीखेत,
हिलस्टेशन आते।
नैनीताल दार्जिलिंग आदि,
पर्यटक यहाँ आते।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

दिनांक
13 अगस्त 2024

काव्यांजलि
2283

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 03
भाग- 01

कक्षा -4 विषय- पर्यावरण

कैसे बने घर

प्यारे बच्चों! जिस स्थान पर,
हम सब रहते हैं।
उसको पर हम सब,
अपना घर कहते हैं।।

घर हमें हर मौसम में,
सुरक्षित रखता है।
सर्दी गर्मी और बरसात से,
हमारी रक्षा करता है।।

जब हम थक हार कर,
घर वापस आते हैं।
घर में आकर हम सब,
बड़ा सुकून पाते हैं।।

घर कच्चे और पक्के,
कई प्रकार के होते हैं।
घर को हम सब,
आवास भी कहते हैं।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

दिनांक 14 अगस्त 2024

काव्यांजलि 2284

दिन बुधवार

पाठ- 08

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

भारत का भौतिक स्वरूप

दक्षिण का पठारी भाग

उत्तर के मैदान तथा,
तटीय भागों के बीच में।
प्रायद्वीपीय पठार दक्षिण का,
स्थित त्रिभुज की आकृति में।।

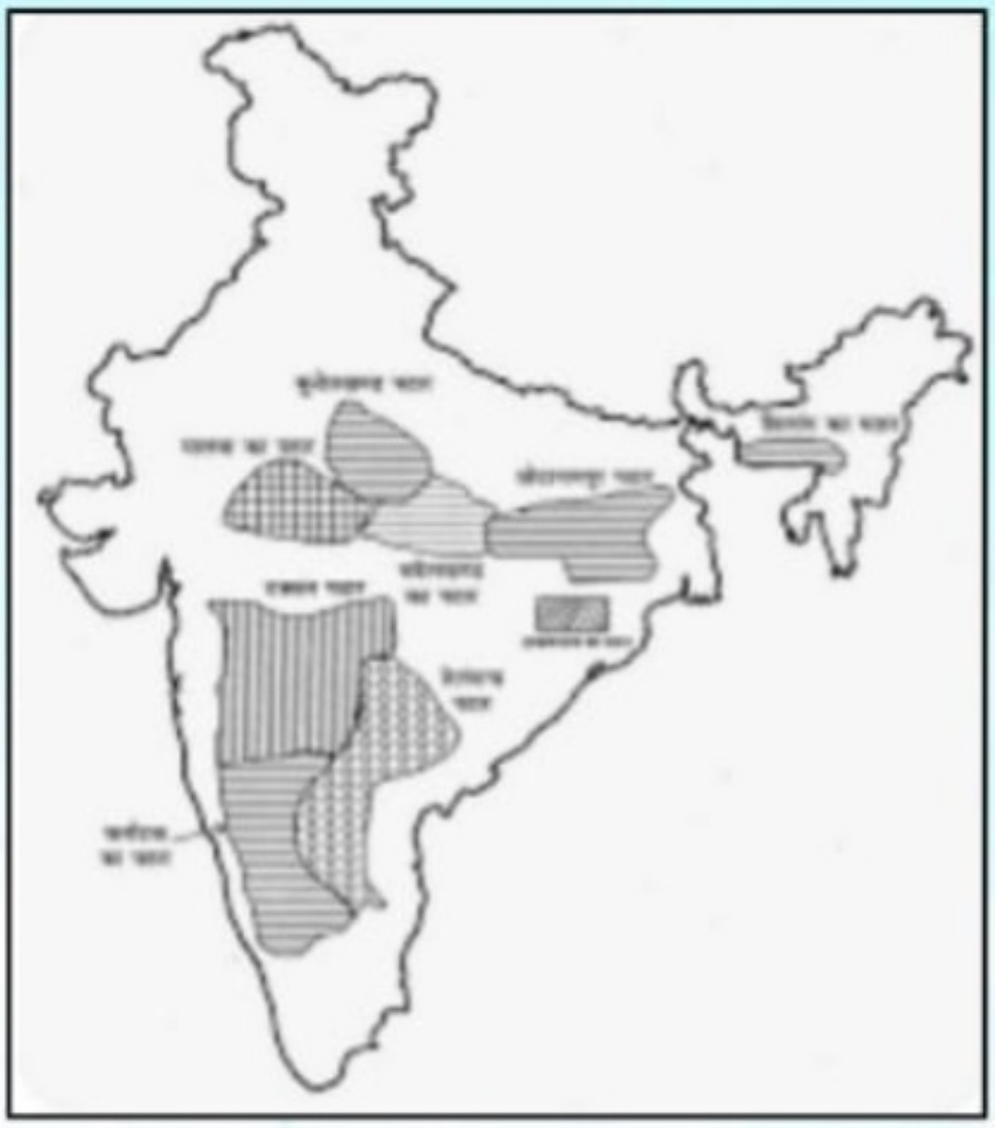

धरातल काफी ऊँचा-नीचा,
कई पहाड़ी, घाटी इसमें।
कई पहाड़ी श्रृंखलाएं,
सुन्दर सी बसती हैं इसमें।।

दक्षिण के पठार को हम,
कई उपविभागों में बाँटें,
छोटा नागपुर, मालवा, दक्कन,
के बारे में जानें बातें।।

दक्षिण के पठार के पश्चिम,
मालवा पठार है।
चम्बल, बेतवा जैसी नदियों का,
यह उद्गम स्थल है।।

दक्षिण के पठार के उत्तर,
पूर्वी भाग में जो स्थित।
लोहा और कोयला खनिजों से,
छोटा नागपुर पठार समृद्ध।।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

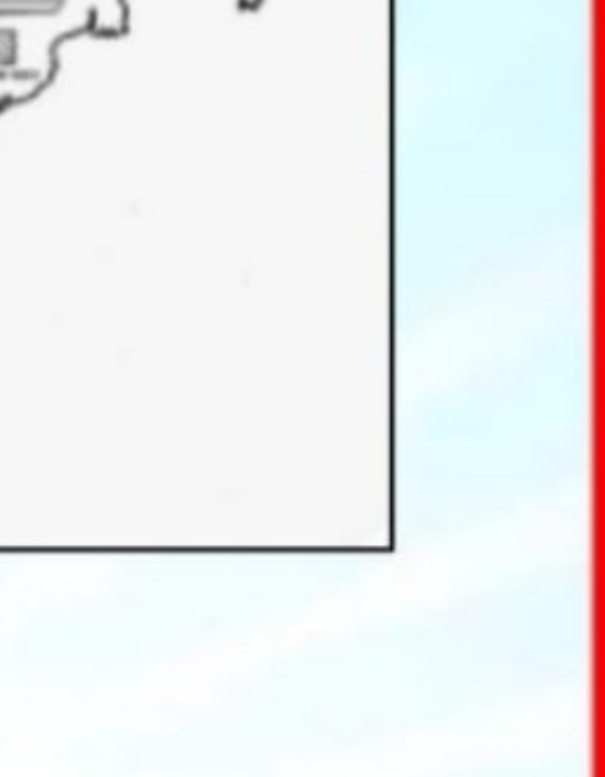

मिशन शिक्षण संवाद

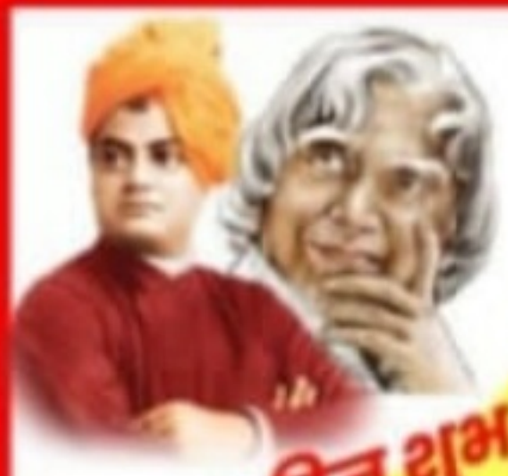

दिनांक 15 अगस्त 2024

काव्यांजलि

2285

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा भूमण्डल

कक्षा- 7 पाठ- 5, भाग- 2

वायुमण्डल के तत्व

विभिन्न गैसों का मिश्रण वायु,
वायु का अपना होता भार।
इस कारण धरातल पर,
डालती है दाब वायु भार।।

धरा पर पड़ने वाला भार,
ही कहलाता है वायु भार।
वायु भार को ही कहते,
वायुमण्डल का वायु दाब।।

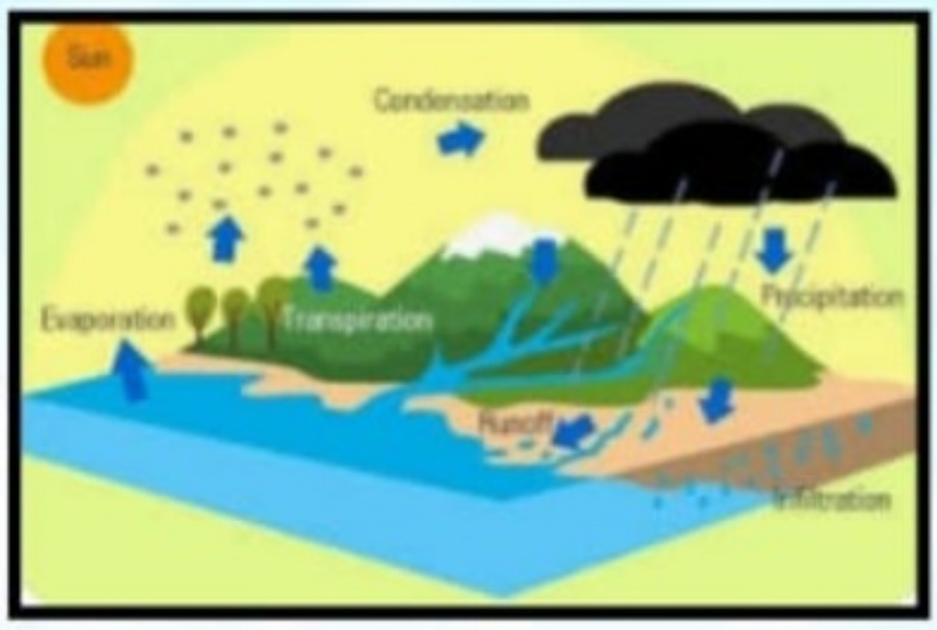

जलवाष्प आर्द्रता है कहलाता,
वाष्पीकरण क्रिया द्वारा होता।
जल का वाष्प में बदलना ही,
वाष्पीकरण है कहलाता।।

सूर्य किरणें धरा की नमी को,
वाष्प में बदल देती हैं।
यह वाष्प या भाप फिर,
वायुमण्डल में आ जाती है।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

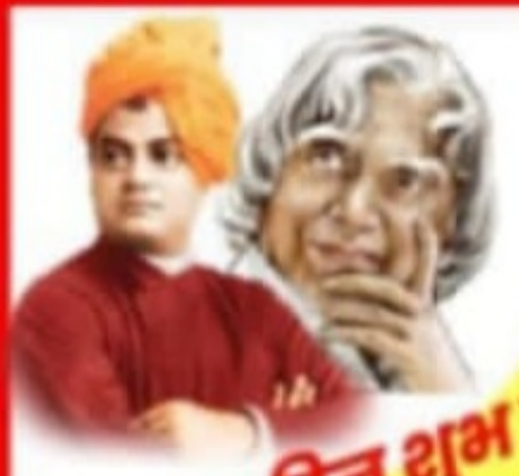

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक 16अगस्त 2024

काव्यांजलि

2286

दिन शुक्रवार

विषय- हिन्दी, कक्षा- 5, पाठ- 3, भाग -1

मेरी शिक्षा....

प्रथम राष्ट्रपति भारत के,
डॉ० राजेंद्र प्रसाद था उनका नाम।
उनकी आत्मकथा सुनाते,
कैसी शिक्षा पा बने महान।।

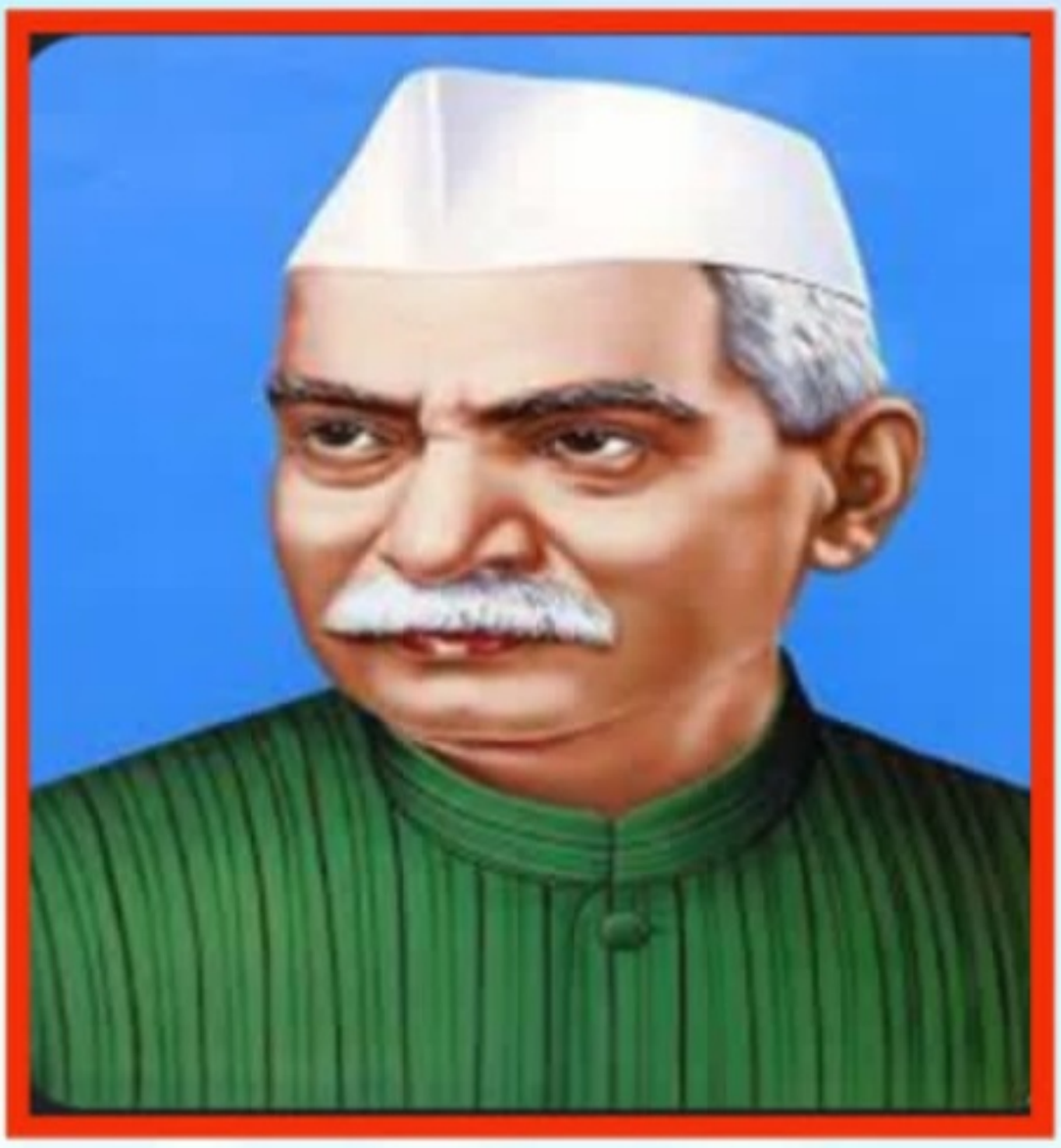

पाँचवें या छठे वर्ष में,
पढ़ने की हुई शुरुआत।
वह और दो चचेरे भाई,
सुपुर्द हुए मौलवी साहब के हाथ।।

बड़े भाई जमुना प्रसाद जी,
शैतानी में थे उस्ताद।
उनके प्यारे बलदेव चचा भी,
मस्ती, मज़ाक संग करें उत्पात।।

बड़े विचित्र थे मौलवी साहब,
हर काम में देतें शेखी बघार।
शतरंज का ज्ञानी कहतें खुद को,
हमेशा चाचा से जाते हार।।

रचना:-
पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा० वि० संग्रामपुर,
क्षेत्र व जनपद - चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
17 अगस्त 2024

काव्यांजलि
2287

दिन
शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय-हमारा परिवेश (EVS)

पाठ 2 पास-पड़ोस (भाग-1)

बड़ी जोर की बारिश आयी,
झोपड़ी काका की गिर गयी।
कच्ची झोपड़ी काका की थी,
भारी बारिश में टिक न सकी थी।।

रमन, विवेक और राधिका सारे,
खेल रहे थे मिल कर सारे।
गिरी झोपड़ी सब दौड़े आए,
चाचा को ढाढस बंधाने आए।।

सारा मोहल्ला दौड़ के आया,
चाचा का सबने साथ निभाया।
सरला दीदी भी झट से आयी,
चाचा को आकर समझायी।।

काका घबरा- घबरा जाते,
है अकेले वो सबको समझाते।
काकी, जावेद बाहर घर से,
कैसे निपटूंगा इस मुश्किल से।।

रचना
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र० अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर करन, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

2288

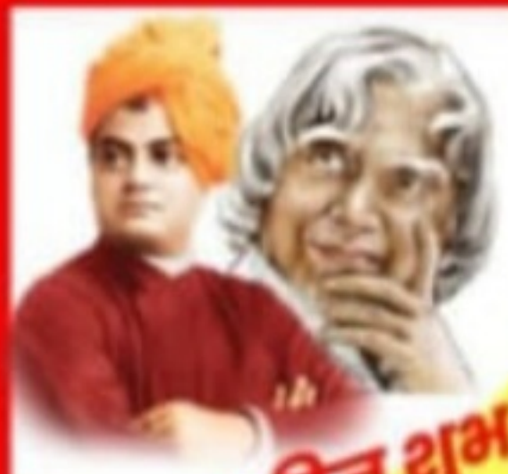

दिनांक 19 अगस्त 2024

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8, विषय- गणित

इकाई- 10 चतुर्भुज की रचनाएँ

चतुर्भुज व इसके प्रकार

चार सरल रेखाओं से घिरी,
बन्द आकृति को चतुर्भुज कहते हैं।
चार शीर्ष, चार कोण, दो विकर्ण,
चतुर्भुज की विशेषता कहते हैं।।

चतुर्भुज के चारों अन्त:कोणों का,
योगफल 360 अंश होता है।
चतुर्भुज होते कई प्रकार के,
आओ जाने नाम क्या-क्या होता है।।

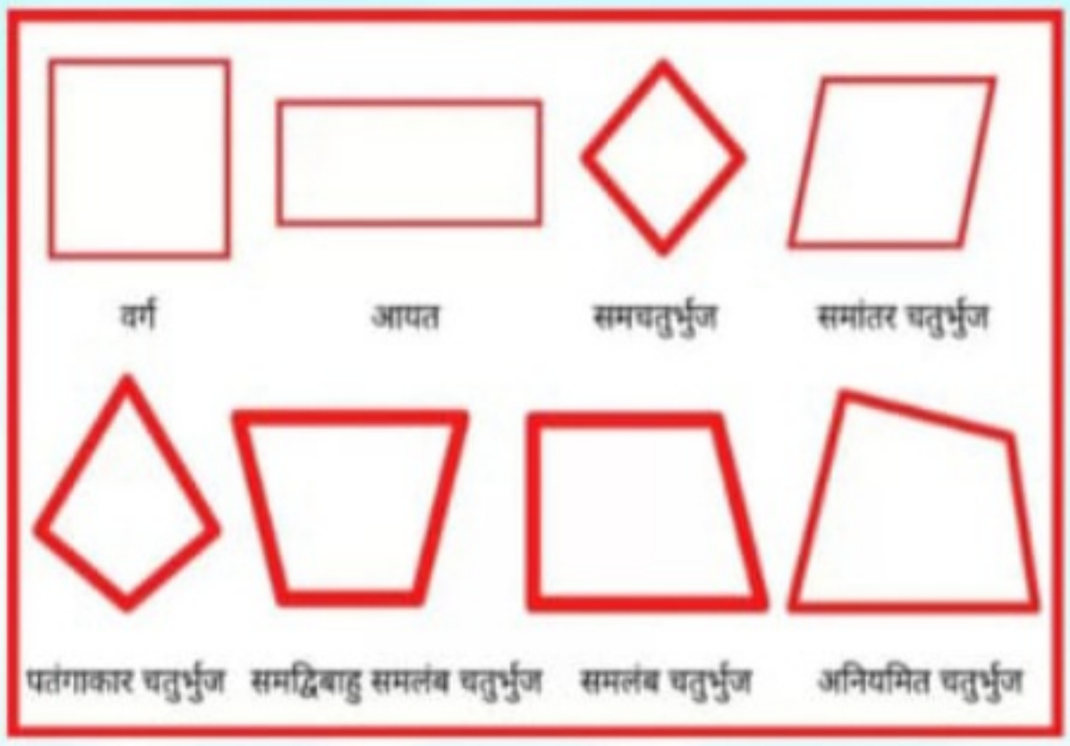

नाम हैं समलम्ब चतुर्भुज,
समान्तर व सम चतुर्भुज।
आयत और वर्ग चतुर्भुज,
उत्तल तथा अवतल चतुर्भुज।।

जिस चतुर्भुज के चारों शीर्ष,
किसी वृत्त की परिधि पर होते हैं।
ऐसे चतुर्भुज देखो बच्चों,
चक्रीय चतुर्भुज होते हैं।।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

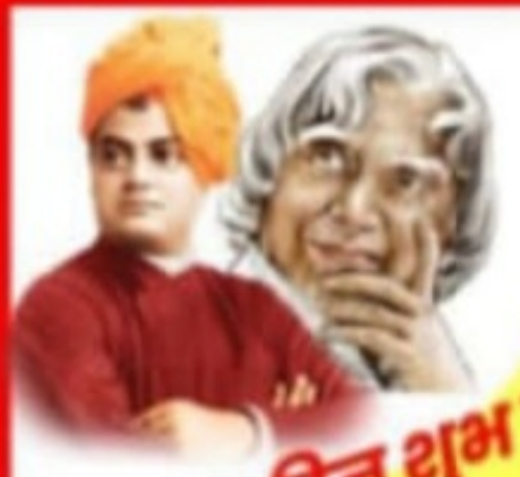

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
20 अगस्त
2024

काव्यांजलि
2289

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

शिवालिक हिमालय

कक्षा-06 विषय- भूगोल
(पृथ्वी और हमारा जीवन)
पाठ-08
भारत का स्वरूप

सिंधु नदी से ब्रह्मपुत्र,
शिवालिक हिमालय पायें।
सबसे बाहरी भाग ये,
हिमालय का बतलायें।।

कश्मीर उत्तराखंड व,
सिक्किम तथा नेपाल।
सबसे युवा पर्वतमाला,
है देखो ये विशाल।।

मनोरम जगह यहाँ,
शिमला चण्डीगढ़ पंचकूला।
सर्दी में होती भीड़ यहाँ,
आकर सबका मन खिला।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

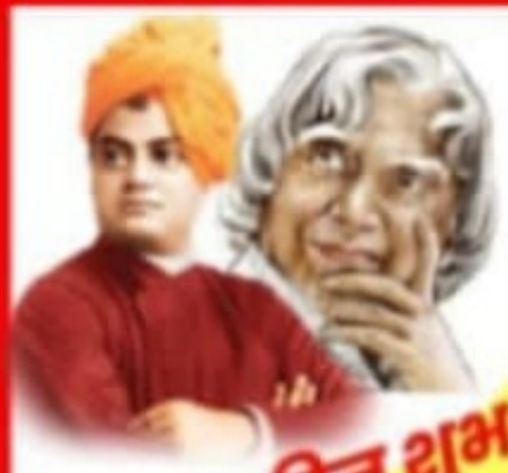

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 21 अगस्त, 2024

काव्यांजलि 2290

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-6, विषय- हिन्दी(मंजरी)

बादल चले गये वे...

पाठ-17

सुन्दर-सुन्दर चित्र बनाकर,
ये सूना आकाश सजाकर।
राग और हर रंग दिखाकर,
हर क्षण मन में भाव जगाकर।।

बनकर बूँदें बरस गये हैं,
अब वे बादल चले गये हैं।
हुआ गगन है नीला-नीला,
श्याम रंग में बादल गीला।।

हुई धरा है पीली-पीली,
बड़ी रसीली, गीली-गीली।
सुख-दुःख की अनुभूति जगाकर,
कभी हास कभी आँसू बनकर।।

जीवन का पथ सजा गया है,
लहर-तरंगें उठा गया है।
जैसे नित नूतन रंग भर कर
गये वे बादल पाहुन बनकर।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

दिनांक
22 अगस्त
2024

काव्यांजलि
2291

दिन
गुरुवार

पाठ- 08

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)
भारत का भौतिक स्वरूप
तटीय मैदान एवं द्वीपसमूह

पश्चिमी घाट के पश्चिम में,
और पूर्वी घाट के पूरब में।
तटीय मैदान हैं स्थित,
जो सँकरे हैं पश्चिम में।।

पूर्वी भाग की नदियाँ हैं जो,
महानदी, कृष्णा, कावेरी।
गोदावरी के संग में बहतीं,
गिरें जाकर बंगाल की खाड़ी।।

खाड़ी में गिरने से पूर्व ये,
डेल्टा का निर्माण करें।
चिल्का, कोलेरू, पुलीकट,
पूर्वी मैदान की मुख्य झीलें।।

अण्डमान और निकोबार,
बंगाल की खाड़ी में स्थित।
दूजा द्वीपसमूह लक्षद्वीप,
अरब सागर में जो स्थित।।

लक्षद्वीप है बना मूँगे से,
इस द्वीपसमूह के द्वीप छोटे।
द्वीप अपेक्षाकृत हैं बड़े,
अण्डमान और निकोबार के।।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

दिनांक
23 अगस्त 2024

काव्यांजलि
2292

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा -4 विषय- पर्यावरण

पाठ- 03
भाग- 02

कैसे बने घर

हमारे चारों ओर,
कई प्रकार के होते हैं।
इनमें से कुछ कच्चे और,
कुछ पक्के भी होते हैं।।

कच्चे घर घास-फूस और,
लकड़ी, मिट्टी के बने होते हैं।
पक्के घर सीमेंट, ईंट और,
सरिया, बालू के होते हैं।।

पक्के घर एक मंजिला,
और बहुमंजिला होते हैं।
कुछ पक्के घर आलीशान ,
भवनों के रूप में भी होते हैं।।

घर कच्चा हो या पक्का,
घर को व्यवस्थित रखें।
स्वच्छ और व्यवस्थित घर,
हमें बीमारियों से दूर रखें।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

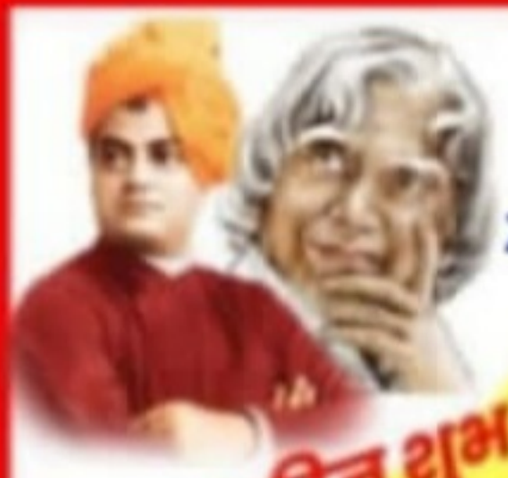

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
काव्यांजलि
2293
दिनांक 24 अगस्त 2024
दिन शनिवार
आपका दिन शुभ हो।
पाठ- 06
कक्षा -4 विषय- पर्यावरण

जीव जन्तुओं की उपयोगिता

हमारे परिवेश में विभिन्न,
प्रकार के जीव जन्तु रहते हैं।
जो रंग-रूप और आकार में,
भिन्न-भिन्न होते हैं।।

खानपान की दृष्टि से,
जीवों में भिन्नता होती है।
कुछ शाकाहारी जन्तु तो
कुछ मांसाहारी होते हैं।।

कुछ जानवर शाक-सब्जी,
और मांस भी खाते हैं।
उन जानवरों को हम,
सर्वाहारी जन्तु कहते हैं।।

कुछ जानवर जंगल के,
प्राकृतिक आवास में रहते हैं।
तो कुछ जानवरों को,
हम घरों में पाला करते हैं।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।
आओ हाथ से हाथ मिलायें
9458278429
बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक 26-08-2024

काव्यांजलि

2294

दिन सोमवार

कक्षा-2 विषय- हिन्दी पाठ-2

पास पड़ोस

आओ बच्चों हम जाने,
पास-पड़ोस को पहचाने।
परिवेश को देखें भालें,
थोड़ा अपना ज्ञान बढ़ा लें।।

गाँव के बीच का तालाब,
गर्मी में मिटाता ये ताप।
जब तेज गर्मी पड़ती तो,
पानी उड़ जाता होकर भाप।।

आदित्य को दिख गया अब,
एक नया बड़ा सा ट्रैक्टर भाई।
माल तो ढ़ोया जाता इससे,
खेत की भी होती है जुताई।।

हमारे कुछ सहयोगी हैं करते,
जीवन अपना आसान।
कोई सिलता कपड़े, कोई जूते,
कोई करता है लकड़ी का काम।।

रचना- ज्योति सागर' सना
उ० प्रा० वि० सिसाना कम्पोजिट
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 27अगस्त 2024

काव्यांजलि

2295

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय-हमारा परिवेश (EVS)

पाठ 2- पास-पड़ोस (भाग 2)

इरफान काका थे अच्छे इन्सान,
पड़ोसियों के लिए रहते परेशान।
करते थे सबकी मदद हमेशा,
सुख-दुःख सबका बांटें हमेशा।।

पड़ोसी भी काका को थे मानते,
उनकी फिकर सभी थे करते।
सबने मिल कर हाथ बढ़ाया,
मिल कर काका को समझाया।।

दबे सामान को बाहर निकाला,
तनवीर चाचा ने बांस मंगाया।
सरला दीदी ने पुआल उठाया,
राकेश, मोहन चाचा को बुलाया।।

सबने मिल कर झोपड़ी बनायी,
समान सारा करीने से लगाया।
कूड़ा-करकट इकठ्ठा करके,
कूड़ेदान में झटपट डलवाया।।

प्रस्तुत
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र० अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर करन, उन्नाव

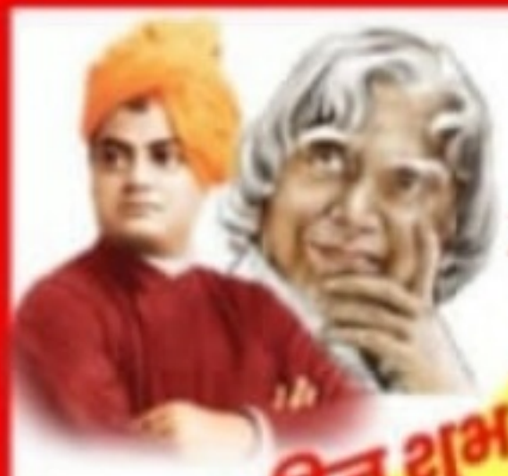

दिनांक 28 अगस्त 2024

काव्यांजलि

2296

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा भूमण्डल

कक्षा- 7 पाठ- 5, भाग- 3

वायुमण्डल के तत्व

ताप घटने पर जलवाष्प,
जल में बदल जाता है।
परिवर्तन की यह क्रिया,
संघनन कहलाता है।।

संघनन के कारण धरा पर,
ओस, कोहरा, बादल, पाला।
वर्षा में होता है परिवर्तन,
परिवर्तन ही मौसम कहलाता।।

संघनन होने पर जल कण,
बड़े और भारी हो जाते।
बूँदों के रूप में गिर धरा पर,
वर्षा का जल कहलाते।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

दिनांक
29अगस्त
2024

काव्यांजलि
2297

दिन
गुरुवार

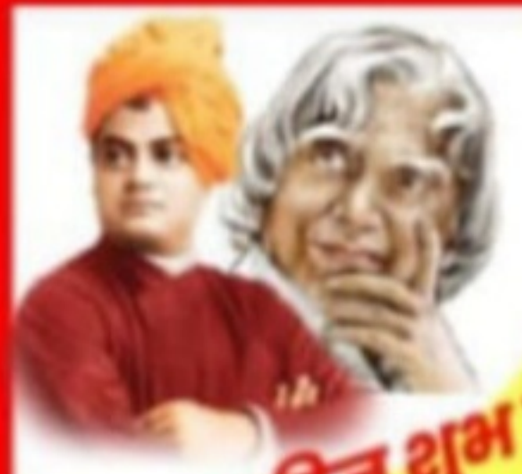

आपका दिन शुभ हो।

विषय- पर्यावरण , कक्षा- 5, पाठ- 1

हमारी पहचान हमारा परिवार ....

रिश्तों में स्नेह-प्यार से,
बनता है परिवार।
सुरक्षा और सहायता मिलती,
साथ में मनते सब त्यौहार।।

कई परिवारों से मिलकर,
बनता है सभ्य समाज।
परिवार में रहकर क्या करना?
क्या न करना, जानें आज।।

देखभाल, सहयोग करें सब,
बड़ो का आदर, छोटों को प्यार।
सबके मन की बात समझकर,
करें विनम्रता का व्यवहार।।

न बिखराना चीजों को और,
बिना बताये कहीं न जाना।
कभी न रखना मन में नफरत,
बुजुर्गों का दिल न दुखाना।।

रचना:-
पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा० वि० संग्रामपुर,
क्षेत्र व जनपद - चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

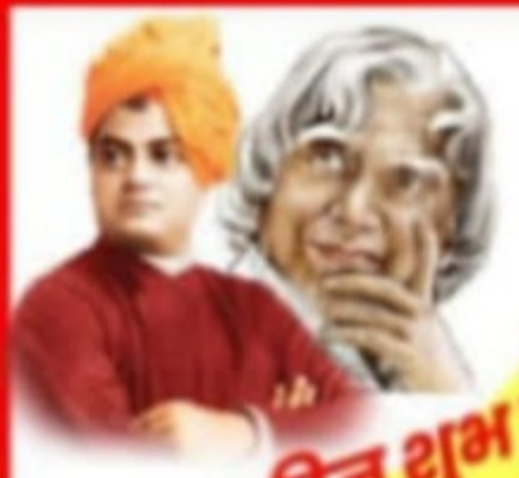

दिनांक 30/08/2024

काव्यांजलि

2298

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 4 (विषय- संस्कृत)

पाठ- 9 (परोपकार:)

चीता बोला शेर से,
तुम तो बैठे रहते हो।
जा पाते हो कहीं नहीं,
बोलो फिर क्या करते हो?

सुन कर ये पेड़ बोला,
चीते का राज खोला।
तुम तो हिंसा फैलाते,
पशु मारकर खा जाते।।

हिंसा करना पाप है,
मन मेरा निष्पाप है।
देता फल व ऑक्सीजन,
सबको मिलता है जीवन।।

यह सुनकर चीता बोला,
बड़ा सा अपना मुँह खोला।
तुम तो धन्य, महान हो,
इस धरती की जान हो।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर, धनीपुर
जनपद- अलीगढ़

दिनांक 31 अगस्त 2024

काव्यांजलि 2299

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- विज्ञान

इकाई- 6 जीव जगत

जन्तुओं का वर्गीकरण... भाग- 03

वास स्थान के आधार पर,
जन्तु चार भागों में बाँटे जाते।
जल में रहने वाले जन्तु जैसे- मछली,
आदि जलीय जन्तु कहलाते।।

अधिकांश समय तक,
वायु में उड़ने वाले जन्तु।
जैसे- पक्षी आदि बच्चों,
कहलाते वायवीय जन्तु।।

स्थल पर रहने वाले जन्तु,
स्थलीय जन्तु कहलाते हैं।
जैसे- मनुष्य, कुत्ता, बिल्ली आदि,
स्थलीय जन्तु की श्रेणी में आते हैं।।

जल तथा स्थल दोनों स्थानों पर,
जो जन्तु अपना जीवन यापन करते हैं।
जैसे- मेढक, कछुआ आदि देखो,
इन्हें उभयचर जन्तु हम कहते हैं।।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

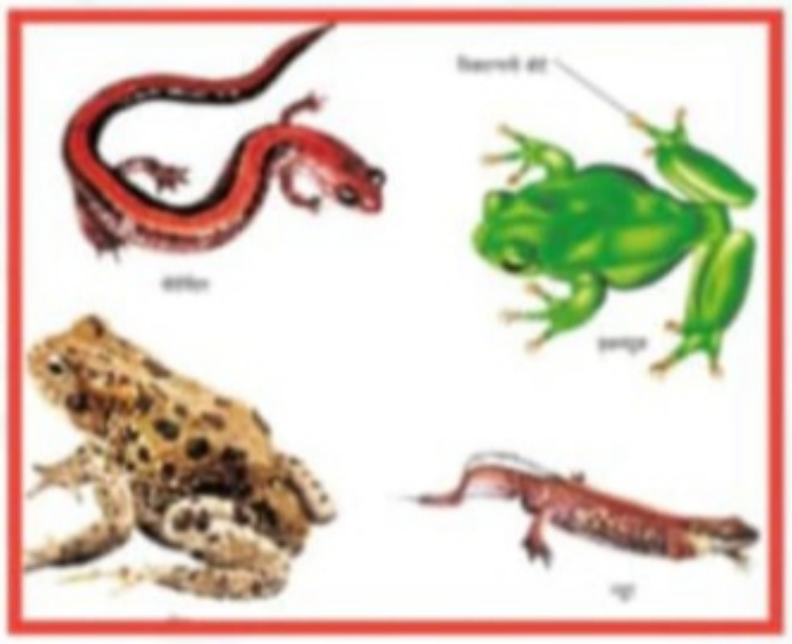

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।